SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Assistant Professor — College Education (Rajasthan)

सहायक आचार्य राजकीय महाविद्यालयों का शिक्षक है — स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने वाला, और महाविद्यालय शिक्षा सेवा का प्रवेश-स्तर का पद। काम केवल कक्षा तक सीमित नहीं: पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन, मूल्यांकन एवं परीक्षा...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-assistant-professor

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सहायक आचार्य राजकीय महाविद्यालयों का शिक्षक है — स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने वाला, और महाविद्यालय शिक्षा सेवा का प्रवेश-स्तर का पद। काम केवल कक्षा तक सीमित नहीं: पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन, मूल्यांकन एवं परीक्षा कार्य, विद्यार्थियों का शैक्षणिक मार्गदर्शन, शोध एवं प्रकाशन, तथा महाविद्यालय की समितियों एवं प्रशासनिक दायित्वों में भागीदारी सब इसमें आते हैं। यह उन थोड़े सरकारी पदों में है जहाँ विषय का गहरा ज्ञान ही मुख्य योग्यता है — जिस विषय से आपने स्नातकोत्तर किया, उसी को जीवन भर पढ़ाने एवं उस पर शोध करने का अवसर मिलता है। यह राजस्थान के उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है जो शिक्षण को व्यवसाय बनाना चाहते हैं, क्योंकि विद्यालय शिक्षक की तुलना में इसमें विषय की स्वतंत्रता एवं शैक्षणिक स्तर का वेतन दोनों अधिक हैं। एक बात आरंभ में ही जान लें: इस पद के लिए स्नातकोत्तर में 55% अंक तथा नेट, स्लेट/सेट अथवा पीएच.डी. अनिवार्य है — केवल स्नातकोत्तर पर्याप्त नहीं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	संबंधित विषय में 55% अंकों सहित स्नातकोत्तर + यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. की नेट, या यू.जी.सी.-मान्य स्लेट/सेट, अथवा यू.जी.सी. विनियमों के अनुसार पीएच.डी. (सेवा नियम 1986, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: महाविद्यालय शिक्षा आयुक्तालय
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष — और यह आयु उस वर्ष की 1 जुलाई को गिनी जाती है जिसमें आयोग आवेदन आमंत्रित करता है, अधिकांश पदों की तरह 1 जनवरी को नहीं (सेवा नियम 1986) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	यू.जी.सी. के शैक्षणिक स्तर (एकेडमिक लेवल) पर, राज्य के सामान्य पे मैट्रिक्स स्तर पर नहीं — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर पदोन्नति से कोई नियुक्ति नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- किसी एक विषय का गहरा अध्ययन एवं उसमें शोध
- पढ़ाना एवं युवाओं के साथ काम करना
- पुस्तकालय, लेखन एवं शैक्षणिक जीवन

क्षमताएँ

- विषय पर अधिकार एवं उसे सरल करके समझाने की क्षमता
- स्वतंत्र अध्ययन एवं शोध की अनुशासित आदत
- धैर्य एवं विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता

ज़रूरी कौशल

- अपने विषय का उन्नत स्तर तक ज्ञान
- अध्यापन एवं पाठ्यक्रम-निर्माण
- शोध पद्धति, शोध-पत्र लेखन एवं प्रकाशन
- मूल्यांकन एवं परीक्षा-कार्य
- विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं करियर मार्गदर्शन
- महाविद्यालय की समितियों एवं प्रशासनिक दायित्वों में भागीदारी

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें। इस पद की विषय-सूची बहुत विस्तृत है — कला, वाणिज्य, मानविकी, शिक्षा, विधि, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषाएँ तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार, सभी विधाओं में यह पद है, इसलिए लगभग हर संकाय से यह राह खुली है।
2. स्नातक करें, फिर उसी अथवा संबंधित विषय में स्नातकोत्तर करें। स्नातकोत्तर में कम से कम 55% अंक आवश्यक हैं (अथवा ग्रेडिंग प्रणाली में समकक्ष ग्रेड)। यह अंक-शर्त इस पद की सबसे व्यावहारिक बाधा है और इसे स्नातकोत्तर के पहले वर्ष से ही ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि बाद में इसे सुधारा नहीं जा सकता।
3. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) तथा दिव्यांग श्रेणियों के अभ्यर्थियों को 5% की छूट मिलती है — और नियम में यह छूट स्नातक एवं स्नातकोत्तर, दोनों स्तरों पर दी गई है। यह सामान्य से अधिक उदार प्रावधान है, इसलिए यदि आप इन श्रेणियों में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही आँकें।
4. यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. की नेट उत्तीर्ण करें, या यू.जी.सी.-मान्य स्लेट/सेट। विकल्प के रूप में यू.जी.सी. के एम.फिल./पीएच.डी. विनियमों के अनुसार प्रदत्त पीएच.डी. भी मान्य है, और नियमों में उन शर्तों का उल्लेख है जिनके अधीन पीएच.डी. धारक नेट/स्लेट/सेट से मुक्त रहते हैं।
5. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए — और यहाँ एक बात ध्यान से पढ़ें, क्योंकि यह अधिकांश पदों से भिन्न है: यह आयु उस वर्ष की 1 जुलाई को गिनी जाती है जिसमें आयोग आवेदन आमंत्रित करता है। अन्य लगभग सभी राजस्थान पदों में आयु आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को गिनी जाती है। जो अभ्यर्थी ऊपरी सीमा के निकट हैं, उनके लिए यह अंतर पात्रता तय कर सकता है।

6 आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है और पद 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है — अनुसूची में इसके आगे पदोन्नति का कोई प्रतिशत नहीं है। महाविद्यालय शिक्षा में आगे की प्रगति कैरियर एडवांसमेंट स्कीम से होती है, अर्थात् सहायक आचार्य से सह-आचार्य एवं आचार्य तक का मार्ग सामान्य विभागीय पदोन्नति नहीं, बल्कि शैक्षणिक निष्पादन एवं निर्धारित शर्तों पर आधारित होता है।
- यह पद अकेले विज्ञापित नहीं होता। आयोग की विज्ञप्तियों के नाम स्वयं यह बताते हैं — "ASST. PROF., LIBRARIAN AND PTI (COLLEGE EDU.) EXAM 2023" — अर्थात् सहायक आचार्य, महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष एवं महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक, तीनों की भर्ती एक ही परीक्षा में होती है। विज्ञप्ति का नाम देखकर यह न मान लें कि उसमें आपका पद नहीं है।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- आयु की गणना की तिथि पर एक बार फिर ध्यान दिलाया जा रहा है, क्योंकि यह इस पद की सबसे आसानी से छूट जाने वाली शर्त है। नियम कहता है कि आयु "उस वर्ष की 1 जुलाई" को गिनी जाएगी "जिसमें आयोग द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं"। इस पृष्ठ पर दिए अन्य लगभग सभी पदों में यह तिथि आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी है। दोनों में छह महीने का अंतर पड़ सकता है।
- विषयों की सूची विस्तृत है और नियम में उसे विधाओं के रूप में दिया गया है: कला, वाणिज्य, मानविकी, शिक्षा, विधि, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषाएँ तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार। भर्ती विषयवार होती है, इसलिए किसी एक चक्र में आपके विषय के पद हों या न हों — यह विज्ञप्ति में देखना आवश्यक है, क्योंकि पात्र होते हुए भी उस वर्ष आपके विषय में रिक्ति न होना संभव है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan — postgraduate departments across disciplines — जयपुर, राजस्थान (https://uniraj.ac.in/)
- Jai Narain Vyas University, Mohanlal Sukhadia University, MDS University, MGS University — जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर
- Government colleges of Rajasthan — where the post itself is held — राज्य भर में (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Central universities and IITs/NITs — for a Master's or Ph.D. in the subject — देश भर में

ऑनलाइन

- यू.जी.सी.-नेट — सूचना, पाठ्यक्रम एवं पिछले प्रश्न-पत्र — राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (https://ugcnet.nta.ac.in/)
- University Grants Commission — regulations on minimum qualifications and the Ph.D. exemption — भारत सरकार (https://www.ugc.gov.in/)
- महाविद्यालय शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) एवं ई-पाठशाला — विषयवार निःशुल्क पाठ्य-सामग्री — भारत सरकार (https://swayam.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में बहुत कम शुल्क पर हो जाते हैं, और लगभग हर विषय के विभाग राज्य के भीतर उपलब्ध हैं — इस पद तक पहुँचने के लिए महँगी पढ़ाई आवश्यक नहीं। नेट की तैयारी की सामग्री निःशुल्क है: यू.जी.सी. का पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पिछले प्रश्न-पत्र, तथा स्वयं एवं ई-पाठशाला की विषयवार सामग्री सब सरकारी वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं। पीएच.डी. का रास्ता चुनें तो विश्वविद्यालयों एवं यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. की फ़ेलोशिप उपलब्ध रहती हैं, जिससे शोध की अवधि में आय भी बनी रहती है। एक बात योजना में पहले से रखें: 55% अंकों की शर्त के कारण स्नातकोत्तर के अंक इस पद के लिए सीधे निर्णायक हैं, इसलिए वह निवेश पढ़ाई के समय ही करना होता है, बाद में नहीं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजस्थान के राजकीय महाविद्यालय — कक्षा-कक्ष, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय एवं विभागीय कक्ष। नियुक्ति राज्य के किसी भी ज़िले में हो सकती है, और आरंभिक नियुक्ति प्रायः छोटे शहरों अथवा ग्रामीण क्षेत्रों के महाविद्यालयों में होती है।

कार्य-संस्कृति

शैक्षणिक जीवन की अपनी लय होती है — सत्र, परीक्षाएँ एवं अवकाश उसे तय करते हैं, और उसमें अपने काम पर नियंत्रण अधिकांश सरकारी पदों से कहीं अधिक रहता है। अध्यापन के घंटे निर्धारित हैं, पर शेष समय पढ़ने, तैयारी करने एवं शोध करने के लिए मिलता है, और यही इस पेशे का सबसे बड़ा आकर्षण है: विषय के साथ जीवन भर का संबंध। साथ ही यह ध्यान रखने योग्य है कि सरकारी महाविद्यालयों में शोध के साधन विश्वविद्यालयों जितने नहीं होते, और छोटे महाविद्यालयों में एक ही शिक्षक को कई कक्षाएँ एवं प्रशासनिक दायित्व सँभालने पड़ते हैं। विद्यार्थियों का स्तर एवं पृष्ठभूमि भी विविध होती है — बहुत से विद्यार्थी परिवार में पहली पीढ़ी के स्नातक होते हैं, और उनके लिए शिक्षक का मार्गदर्शन कक्षा में पढ़ाए गए विषय से कहीं आगे जाता है। जो व्यक्ति यह भूमिका स्वीकार करता है, उसका प्रभाव उसके विषय की सीमा से बहुत बड़ा होता है।

कौन नौकरी देता है

- महाविद्यालय शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान — राजकीय महाविद्यालय
- संस्कृत शिक्षा विभाग के महाविद्यालय (अलग विज्ञप्ति से)
- राज्य के विश्वविद्यालय एवं संघटक महाविद्यालय

माँग (2026)

राजस्थान में राजकीय महाविद्यालयों की संख्या पिछले वर्षों में बढ़ी है और हर महाविद्यालय में विषयवार शिक्षकों के पद स्वीकृत रहते हैं, इसलिए यह संवर्ग बड़ा एवं स्थायी है — इस पृष्ठ पर दिए अधिकांश पदों की तुलना में इसकी भर्ती अधिक बड़ी होती है, क्योंकि एक ही विज्ञप्ति में अनेक विषयों के पद निकलते हैं। पर इसी में इस पद की सबसे बड़ी अनिश्चितता भी है, और उसे स्पष्ट कहा जाना चाहिए: भर्ती विषयवार होती है। किसी वर्ष इतिहास अथवा राजनीति विज्ञान में सैकड़ों पद निकल सकते हैं और उसी वर्ष किसी अन्य विषय में एक भी नहीं। इसलिए इस राह की योजना बनाते समय अपने विषय की पिछली भर्तियों को देखना उपयोगी है, और साथ ही यह ध्यान रखना कि नेट उत्तीर्ण होना केवल इसी पद के लिए नहीं है — वही योग्यता अन्य राज्यों की महाविद्यालय भर्तियों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, निजी महाविद्यालयों तथा शोध एवं फ़ेलोशिप के रास्तों में भी काम आती है। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक आचार्य — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती
2. सह-आचार्य — कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत, शैक्षणिक निष्पादन एवं निर्धारित शर्तों पर
3. आचार्य — सी.ए.एस. की अगली सीढ़ी
4. प्राचार्य एवं संयुक्त निदेशक/आयुक्त स्तर के प्रशासनिक पद; नियमों में यह भी दर्ज है कि आयुक्त/निदेशक के पद पर सरकार आवश्यकता पड़ने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की नियुक्ति कर सकती है

कमाई

शुरुआत	यू.जी.सी. शैक्षणिक स्तर के अनुसार (विज्ञप्ति में घोषित)
मध्य स्तर	₹80,000 – ₹1,10,000 (भत्तों सहित, सह-आचार्य स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,30,000 से अधिक (भत्तों सहित, आचार्य स्तर पर)

यह पद यू.जी.सी. के शैक्षणिक स्तर पर वेतन पाता है, राज्य के सामान्य पे मैट्रिक्स स्तर पर नहीं — इसीलिए इसकी तुलना विद्यालय शिक्षक अथवा अन्य राज्य-सेवा पदों के वेतन से सीधे नहीं की जा सकती, और यह उनसे ऊपर रहता है। 1986 के सेवा नियमों में स्तर का आँकड़ा नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- जिस विषय से प्रेम है, उसी के साथ जीवन भर का काम
- अपने समय एवं काम पर नियंत्रण अधिकांश सरकारी पदों से अधिक
- शैक्षणिक स्तर का वेतन, जो राज्य-सेवा के अनेक पदों से ऊपर है
- नेट की योग्यता अन्य राज्यों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं शोध में भी चलती है
- विधाओं की सूची बहुत विस्तृत — लगभग हर विषय से यह राह खुली है

चुनौतियाँ

- स्नातकोत्तर में 55% तथा नेट/स्लेट/सेट अथवा पीएच.डी. — तीनों शर्तें एक साथ
- भर्ती विषयवार होती है, इसलिए पात्र होते हुए भी उस वर्ष आपके विषय में रिक्ति न होना संभव है
- आयु की गणना 1 जुलाई को होती है, 1 जनवरी को नहीं — यह शर्त आसानी से छूट जाती है
- सरकारी महाविद्यालयों में शोध के साधन विश्वविद्यालयों जितने नहीं
- आरंभिक नियुक्ति प्रायः छोटे शहरों अथवा ग्रामीण महाविद्यालयों में

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 1986 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230613114101717253 7Education1986_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. महाविद्यालय शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान — https://hte.rajasthan.gov.in/

4. यू.जी.सी.-नेट — https://ugcnet.nta.ac.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in